तेरी चौखट | by Kishori Dass Kanishk Bhaiya

जबसे तेरी चौखट पे मैंने सर को झुकाया है
मेरा मुरझाया जीवन फिर से मुस्काया है

मैं हार गया होता तेरा साथ जो ना मिलता
ऐ कन्हैया.....
इस दुनिया ने हमको क्या ना दिखाया
बदनाम करके जगत में हंसाया
जब सब ने ही अपना हाथ छुड़ाया
तो तूने ही आकर गले से लगाया
मैं हार गया होता तेरा साथ जो ना मिलता
मैं किसको सुना पाता वो हाल मेरे दिल का
वो हाल मेरे दिल का.....
जबसे तूने मुझको सीने से लगाया है
मेरा मुरझाया जीवन फिर से मुस्काया है

जो दिल में बसते थे दिल उसने तोड़ दिया
श्याम प्यारे.....
देखे है मैंने जग के नज़ारे
सब मतलब के रिश्ते हैं झूठे ये सारे
लगाकर गले से खंजर ही मारें
मैं जी रहा हूँ तेरे सहारे

ना कोई तमन्ना थी ना कोई सहारा था
ऐ कन्हैया .....
भरोसा किया था जिस पर भी मैंने
उसने ही है मेरे दिल को दुखाया
खा खा के ठोकर समझा हूँ अब मैं
एक तू है अपना जगत है पराया
ना कोई तमन्ना थी ना कोई सहारा था
कोई पानी ना पूछे ऐसा भी नज़ारा था
ऐसा भी नज़ारा था.....
किशोरी दास कहे जबसे तूने अपना बनाया है
मेरा मुरझाया जीवन फिर से मुस्काया है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a5%8c%e0%a4%96%e0%a4%9f-by-kishori-dass-kanishk-bhaiya/